न्यूज डायरी

कोरोना पर लापरवाही, घर में ही घिर गए पाकिस्तान के पीएम इमरान खान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। भारत में लॉकडाउन का मजाक उड़ाने वाली पाकिस्तान की इमरान खान सरकार कोरोना वायरस पर लापरवाही के कारण घर में ही घिर गई है। उपयुक्त पॉलिसी न हो पाने के कारण इमरान सरकार पर निशाना साधा जा रहा है। पहले सुप्रीम कोर्ट ने डांट लगाई और अब सिंध प्रांत के सीएम ने उन्हें खरी–खोटी सुनाई है जो प्रांत में कोरोना के बढ़ते मामले से चिंतित हैं। घरेलू मोर्चे पर विफल इमरान सरकार जनता का ध्यान भटकाने के लिए भारत से लगी नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर गोलीबारी कराने में लगी है। संकट से निपटने के लिए लॉकडाउन के मुद्दे पर प्रधानमंत्री इमरान खान द्वारा गेंद को प्रांतों के मुख्यमंत्रियों के पाले में डालने की कोशिश पर सिंध के मुख्यमंत्री ने कड़ा प्रहार किया है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि इस मामलें में संघीय सरकार किसी एक तरफ जाती दिखाई देती है तो प्रांत की सरकार दूसरी तरफ।

अब ब्रिटेन में उठी आवाज, चीन पर न करें भरोसा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। कोरोना वायरस का असर चीन के अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर पड़ता दिख रहा है। अमेरिका तो चीन पर लगातार हमलावर रहा ही है अब ब्रिटेन में भी हलचल तेज हो गई है। दरअसल, ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी का मानना है कि उनके देश को चीन के साथ संबंधों का दोबारा मूल्यांकन करने की जरूरत है। वे चाहते हैं हाई–टेक तथा रणनीतिक उद्योग में चीनी निवेश पर नियंत्रण होना चाहिए। ब्रिटिश कूटनीतिज्ञ और चीन में काम कर चुके चार्ल्स पार्टन का कहना है कि लंदन–पेइचिंग के रिश्ते पर दोबारा विचार की जरूरत है क्योंकि चीन इसे दीर्घ अवधि के लिए पश्चिमी देशों के साथ प्रतियोगिता के रूप में देखता है। बता दें कि ब्रिटेन में कोरोना वायरस से 10 हजार से अधिक मौत हो चुकी है। वहीं खुफिया एजेंसियों का मानना है कि बोरिस जॉनसन और अन्य मंत्रियों को यथार्थवादी सोच अपनानी होगी और उन्हें विचार करना होगा कि ब्रिटेन अब चीनी संबंध पर किस प्रकार से प्रतिक्रिया दे।

आगामी कुछ महीनों में होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठकें स्थगित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासभा की आगामी कुछ महीनों में होने वाली बैठकें कोविड–19 वैश्विक महामारी के कारण स्थगित कर दी गई हैं और सदस्य देश सितंबर में उच्च–स्तरीय वार्षिक यूएनजीए सत्र के आयोजन के संबंध में फैसला करने के लिए वार्ता कर रहे हैं। महासभा के 74वें सत्र के अध्यक्ष के कार्यालय ने बताया कि 20 से 27 अप्रैल तक जापान के क्योतो में होने वाली 'अपराध रोकथाम एवं आपराधिक न्याय' पर संयुक्त राष्ट्र की बैठक आगामी नोटिस आने तक स्थगित कर दी गई है। 'परमाणु हथियार मुक्त क्षेत्र एवं मंगोलिया सम्मेलन, 2020' को 2021 के लिए स्थगित किया गया है। इसे अगले साल कब आयोजित किया जाना है, इसका फैसला महासभा अगले सत्र में करेगी। यह सम्मेलन 24 अप्रैल को होने वाला था। 'प्रकृति के साथ सामन्जस्य पर संवाद' को रद्द कर दिया गया है। यह वार्ता 22 अप्रैल को होनी थी।

अमेरिका में 23,644 लोगों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। अमेरिका में 5,87,155 लोग कोरोना पॉजिटिव है और 23,644 लोगों की मौत हो चुकी हैं। अमेरिका में अब लॉकडाउन नहीं करने को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना तेज हो गई है। अमेरिका के नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ एलर्जी ऐंड इन्फेक्शंस डिजीजेज के डायरेक्टर एंथनी फॉसी ने कहा था कि उन्होंने फरवरी में ही अमेरिका में शट डाउन की सिफारिश की थी। अगर इसे मान लिया गया होता तो कई जानें बच जातीं। यूरोपीय देश स्पेन में 24 मार्च को कोरोना के 42 हजार मामले थे जो अब बढ़कर 170,099 हो गए हैं। जर्मनी में 24 मार्च को करीब 33 हजार कोरोना के मामले थे जो अब बढ़कर 1,30,072 हो गए हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दी चीन को चेतावनी

कोविड–19 पर चीन को गलत सूचना के भुगतने होंगे दुष्परिणाम

कोरोना

देश को दोबारा खोलने की योजना के बेहद करीब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इशारों ही इशारों में कहा है कि कोरोना वायरस को लेकर डब्ल्यूएचओ और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को कथित रूप से गलत जानकारी देने के कारण चीन को दुष्परिणाम भुगतने होंगे। यह संक्रमण चीन के वुहान शहर से फैलना शुरू हुआ था। इसने अब तक दुनिया में 1,19,666 लोगों की जान ले ली है और करीब 20 लाख लोग इससे संक्रमित हैं।

व्हाइट हाउस में सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में एक पत्रकार ने ट्रम्प से बार–बार सवाल किया कि इसके लिए चीन कोई दुष्परिणाम क्यों नहीं भुगत रहा? इसके जवाब में ट्रम्प ने कहा, 'आपको कैसे पता, इसके कोई दुष्परिणाम नहीं हैं?' इस बारे में बार–बार सवाल किए जाने पर ट्रम्प ने कहा, 'मैं आपको नहीं बताऊंगा। चीन को पता चल जाएगा। मैं आपको क्यों बताऊंगा?'

चीन के खिलाफ अमेरिकी सांसदों की टिप्पणियों के बीच ट्रम्प ने कहा, 'आपको पता चल जाएगा।' सीनेटर स्टीव डेन्स ने ट्रम्प को पत्र लिखकर अपील की है कि अमेरिका सरकार चीन से चिकित्सकीय आपूर्ति और उपकरणों पर निर्भरता को समाप्त करे और अमेरिका में दवाइयां बनाने संबंधी नौकरियां वापस लेकर आए। रिपब्लिकन पार्टी के चार सांसदों ने भी चीन पर निर्भरता कम करने के लिए सोमवार को एक विधेयक पेश किया था।

ट्रम्प ने कहा कि वह देश को दोबारा खोलने की योजना के बेहद करीब हैं। कोरोना वायरस के कहर के मद्देनजर देश में 30 अप्रैल तक सामाजिक दूरी बनाने के लिए कुछ दिशा–निर्देश जारी हैं। इस घातक वायरस से देश की 95 प्रतिशत से अधिक आबादी प्रभावित हुई है।

ट्रम्प ने कहा, 'मैं अपनी टीम और शीर्ष विशेषज्ञों से इस पर बातचीत कर रहा हूं और हम देश को दोबारा खोलने की योजना को पूरा करने के काफी करीब हैं... उम्मीद है ऐसा निर्धारित समय से पहले होगा... जो कि बेहद महत्वपूर्ण है।' उन्होंने कहा, 'मेरे प्रशासन की योजना और दिशा–निर्देश अमेरिका के लोगों को सामान्य जीवन शुरू करने का आत्मविश्वास देंगे, जिनकी उन्हें जरूरत है।' राष्ट्रपति ने कहा, 'यह हमें चाहिए। हम अपने देश को दोबारा खोलना चाहते हैं, हम फिर सामान्य जीवन जीना चाहते हैं। हमारा देश खुलने वाला है और वह सफलता पूर्वक खुलेगा ।' अमेरिका में मंगलवार को वायरस से संक्रमित कम से कम 1334 लोगों की जान गई थी और 24,895 नए मामले सामने आए थे। देश में अभी तक 5.8 लाख लोग संक्रमित पाए गए हैं और करीब 23,352 लोगों की इससे जान जा चुकी है।

कोविड–19 स्वाइन फ्लू से 10 गुना अधिक खतरनाक: डब्ल्यूएचओ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सोमवार को कहा कि कोरोना वायरस 2009 में वैश्विक महामारी उत्पन्न करने वाले स्वाइन फ्लू (एच1एन1) से 10 गुना ज्यादा खतरनाक है। डब्ल्यूएचओ ने साथ ही नियंत्रण उपायों को 'धीरे धीरे' हटाने का आह्वान किया।

डब्ल्यूएचओ का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब दुनिया में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या 119,699 पहुंच गई है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख डॉ. टेड्रोस एडनम ने जिनेवा से आनलाइन ब्रीफिंग में कहा, 'हमें पता है कि कोविड–19 तेजी से फैलता है और हमें पता है कि यह 2009 फ्लू महामारी से 10 गुना अधिक खतरनाक है। वैश्विक महामारी बन चुके कोरोना वायरस से पूरी दुनिया में इन दिनों 18 लाख से अधिक लोग संक्रमित हैं और यह बीमारी बहुत तेजी से दुनिया में पैर पसार रही है।

कोरोना वायरस से अब तक ब्रिटेन में 11,329, अमेरिका में 22,858 और इटली में 20,465 लोगों की मौत हो गई है। अब तक जितने लोगों को कोरोना वायरस से पॉजिटिव पाया गया है, उनमें से 6.4 प्रतिशत लोगों की मौत हो गई है। ब्रिटेन में मरने वालों का यह आंकड़ा 12 प्रतिशत है, वहीं ऑस्ट्रेलिया में 0.1 प्रतिशत है।

चीन में सरहद पार से आ रही कोरोना की दूसरी वेव?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) चीन। जब पूरी दुनिया में कोरोना वायरस का हाहाकार मचा है, चीन ने अपने सबसे ज्यादा प्रभावित शहर वुहान से लॉकडाउन हटाना शुरू कर दिया। हालांकि, कोविड–19 का इन्फेक्शन झेलने वाले चीन की मुसीबत अभी तक खत्म नहीं हुई है, क्योंकि अब यहां के एक और प्रांत में वुहान जैसे हालात देखे जा रहे हैं। उत्तरी चीन के हेलोनजियांग प्रांत में अब तक 300 से ज्यादा कोरोना पॉजिटिव मामले सामने आ चुके हैं जिनमें से ज्यादातर दूसरे देशों से आए हुए हैं। इनके अलावा ऐसे मामलों में भी बढ़ोतरी देखी गई है जिनमें मरीज में लक्षण ही नहीं होते हैं। ऐसे में यहां हजारों हॉस्पिटल बेड्स तैयार किए जा रहे हैं।

अपने कहां दफनाए गए वुहान में खोजने निकले लोग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। चीन के वुहान शहर में 76 दिनों का लॉकडाउन खुला तो लोग इस खोज में निकल गए कि आखिर उनके अपनों को कहां दफनाया गया। उधर, कुछ अपने परिजनों के अंतिम संस्कार के लिए पहुंचने लगे, जिन्होंने इस दौरान कोरोना संक्रमण और अन्य कारणों से अपनी जान गंवा दी थी। वायरस और अन्य कारणों से मरने वाले हजारों लोगों को शव गृह में ही स्टोर करके रखा गया था।

हालांकि अब जब लॉकडाउन हटा तो लोग इन स्टोर्स से शवों को ले जाकर उनका अंतिम संस्कार कर रहे हैं। कोरोना

वायरस की शुरुआत चीन के इसी शहर से हुई थी, जिसके बाद अब इसका प्रकोप पूरी दुनिया में देखने को मिल रहा है। वुहान में कोरोना से मरने वालों की संख्या में तेजी देखते हुए 25 जनवरी को चीनी सरकार ने शहर के अंदर अंतिम संस्कार पर रोक लगा दी थी।

इसके साथ ही कब्रिस्तानों पर भी ताला लगवा दिया था, ताकि लोग भीड़ में इकट्ठा नहीं हो सकें और संक्रमण के खतरे को रोका जा सके। लोगों को आदेश दिया गया था कि जब तक नहीं कहा जाए वे घरों से बाहर नहीं निकलें। इस बीच चीन पर कोरोना वायरस महामारी से मौतों की संख्या छिपाने का आरोप लग रहा है। आरोप है कि चीन ने हुबेई प्रांत के वुहान में मौतों की संख्या छिपाने के लिए आंकड़ों में हेरफेर किया है। वुहान में एक विडियो वायरल हुआ, जहां पिछले 24 घंटे में वुहान के श्मशान में 24 घंटे तक शवों को जलाने का मामला भी सामने आया है।

अमेरिकी सांसदों ने वियतनामी पोत डुबोने के लिए चीन की निंदा की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेटरों के एक द्विदलीय समूह ने विवादित दक्षिण चीन सागर में वियतनामी पोत को डुबोने को लेकर चीन की निंदा की और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का ऐसे समय में किया गया ''घोर उल्लंघन'' करार दिया है जब दुनिया कुछ हद तक बीजिंग की ''लापरवाही'' से फैली कोविड–19 महामारी से जूझ रही है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने इन खबरों पर पिछले सप्ताह चिंता व्यक्त की थी कि चीन ने दक्षिण चीन सागर के पार्सेल द्वीप क्षेत्र में मछलियां पकड़ने वाले वियतनामी पोत को डुबो दिया है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मोर्गन ओर्टागस ने कहा था कि दक्षिण चीन सागर में चीन के अवैध समुद्री दावों के मद्देनजर उसके द्वारा उठाए गए कदमों की कड़ी में यह एक अन्य घटना है।

सीनेटरों कोरी गार्डनर (रिपब्लिकन पार्टी), एड मार्के (डेमोक्रेटिक पार्टी), जिम रिश (रिपब्लिकन पार्टी) और बॉब मेनेंडेज (डेमोक्रेटिक पार्टी) ने सोमवार को एक संयुक्त बयान जारी किया। गार्डनर ने कहा, ''मैं दक्षिण चीन सागर में वियतनामी पोत डुबोने के चीन के कदम की कड़े से कड़े शब्दों में निंदा करता हूं।''